Paper - V

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - V

Time : 3 Hours **(Pages 10)** **Max. Marks : 100**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 - गद्य

24 अंक

प्र.1. (क) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (8)

व्यापारी और उद्योगपतियों के लिए अर्थशास्त्र ने यह नियम बताया है कि खरीद सस्ती-से-सस्ती हो और बिक्री महँगी-से-महँगी। मुनाफे की कोई मर्यादा नहीं। जो कारखाना मजदूरों के शरीर श्रम के बिना चल ही नहीं सकता, उसके मजदूर को हजार-पाँच सौ मासिक से अधिक भले ही न मिले, पर व्यवस्थापकों और पूँजी लगाने वालों को हजारों-लाखों का मिलना गलत नहीं माना जाता।

मनुष्य समाज में रहने से अर्थात समाज की कृपा से ही व्यवहार चलाने लायक बनता है। बालक प्राथमिक शाला से लेकर देश-विदेश के ऊँचे-से-ऊँचे महाविद्यालयों में सीखकर जो योग्यता प्राप्त करता है, वे शिक्षालय या तो सरकार द्वारा चलाए जाते हैं, जिनका खर्च आम जनता से टैक्स के रूप में वसूल किए हुए पैसे से चलता है या दानी लोगों की कृपा से। जो कुछ पढ़ने की फीस दी जाती है, वह तो खर्च के हिसाब से नगण्य है। उसको समाज का अधिक कृतज्ञ रहना चाहिए कि उस पैसे के बल पर वह विद्या पढ़कर योग्यता प्राप्त कर सका। इस सारी शिक्षा में जो कुछ ज्ञान मिलता है, वह भी हजारों वर्षों तक अनेक तपस्वियों ने मेहनत करके जो कण-कण संग्रहीत कर रखा है, उसी के बल पर मिलता है। व्यापारी और उद्योगपति भी व्यापार की कला विद्यालयों से, अपने साथियों से एवं समाज से प्राप्त करते हैं।

(1) (i) उत्तर लिखिए। 1

(1) व्यापारी और उद्योगपतियों के लिए अर्थशास्त्र द्वारा बनाए गए नियम -

(ii) गद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों । 1

(1) समाज (2) बालक

(2) कृति पूर्ण कीजिए। **2**

(i)

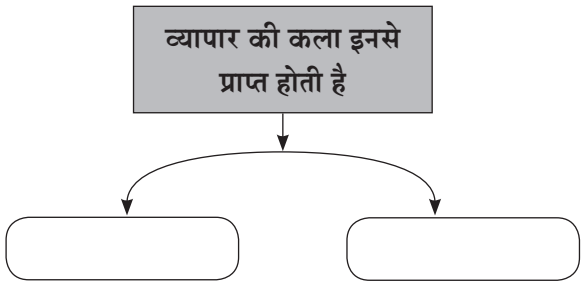

(ii)

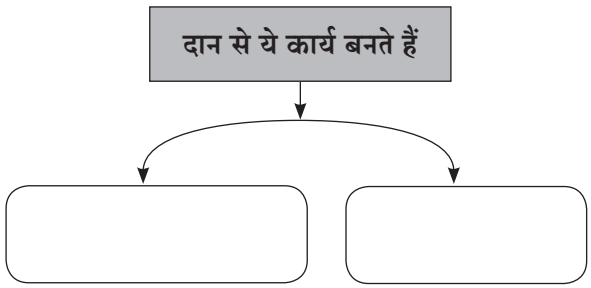

(3) पाठ में कुछ ऐसे शब्द हैं, जिनके विलोम शब्द भी पाठ में ही प्रयुक्त हुए है; ऐसे शब्द ढूँढ़कर लिखिए। **2**

(i) महँगी × ..... (ii) विक्री × .....

(iii) देश × ..... (iv) सही × .....

(4) 'आर्थिक विषमता के कारण समाज की अवस्था दयनीय हो रही है।' विषय पर अपना मत लिखिए। **2**

प्र.1. (ख) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(8)**

तिवारी जी : क्या सामाजिक आंदोलनों, जैसे आर्य समाज का भी आप पर कुछ प्रभाव पड़ा?

नागर जी : आरंभिक असर है थोड़ा जरूर। मेरे पिताजी में एक अच्छी बात थी कि उन्होंने मुझे सामाजिक आंदोलनों में जाने से कभी नहीं रोका। जवाहरलाल नेहरू से मेरी भेंट १९३३ में हुई। उनकी माँ मेडिकल कॉलेज में दाखिल थीं और उसी समय मेरा छोटा भाई भी वहाँ दाखिल था। नेहरू जी जेल में थे। उनकी माँ के पास कुछ कश्मीरी लोगों को छोड़कर कोई आता-जाता नहीं था। मैं उनकी माता जी के पास रोज जाता था। पंडित जी जब जेल से छूटे तो मेरी उनसे वहीं भेट हुई जो प्राय: होती रहती थी। उनसे खूब बातें होती थीं- हर तरह की।

तिवारी जी : आपका पहला उपन्यास कौन-सा है?

नागर जी : पहला उपन्यास लिखा १९४४ में 'महाकाल', जो छपा १९४६ में। बंगाल से लौटकर इसे लिखा था।

तिवारी जी : क्या यही बाद में 'भूख' नाम से प्रकाशित हुआ।

नागर जी : हाँ।

तिवारी जी : नागर जी, आप अपने समय के और कौन-कौन से लेखकों के संपर्क-प्रभाव में रहे?

नागर जी : जगन्नाथदास रत्नाकर, गोपाल राय गहमरी, प्रेमचंद, किशोरी लाल गोस्वामी, लक्ष्मीधर वाजपेयी आदि के नाम याद आते हैं। माधव शुक्ल हमारे यहाँ आते थे। वे आजानुबाहु थे, ढीला कुरता पहनते थे और कुरते की जेब में जलियाँवाला बाग की खून सनी मिट्टी हमेशा रखे रहते थे। १९३१ से ३७ तक मैं प्रतिवर्ष कोलकाता जाकर शरतचंद्र से मिलता रहा, उनके गाँव भी गया।

(1) कारण लिखिए। **2**

(i) अमृतलाल जी पर सामाजिक आंदोलनों का प्रभाव पड़ा।

(ii) अमृतलाल जी जवाहरलाल जी की माँ को मिलने जाया करते थे।

(2) संजाल पूर्ण कीजिए। **2**

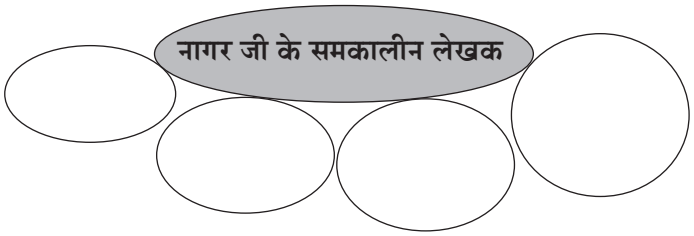

(3) (i) नीचे लिखे शब्दों के अर्थ गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए। **1**

(1) देहात - ..... (2) मुलाकात - .....

(ii) परिच्छेद में प्रयुक्त शब्द युग्म व विदेशी शब्द ढूँढ़कर लिखिए। **1**

(1) शब्द-युग्म - ..... (2) विदेशी शब्द - .....

(4) 'सामाजिक आंदोलन एवं व्यक्ति विकास का संबंध' अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.1. (ग) अपठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

हर किसी को आत्मरक्षा करनी होगी, हर किसी को अपना कर्तव्य करना होगा । मैं किसी की सहायता की प्रत्याशा नहीं करता । मैं किसी का भी प्रत्याह नहीं करता। इस दुनिया से मदद की प्रार्थना करने का मुझे कोई अधिकार नहीं है। अतीत में जिन लोगों ने मेरी मदद की है या भविष्य में भी जो लोग मेरी मदद करेंगे, मेरे प्रति उन सबकी करुणा मौजूद है, इसका दावा कभी नहीं किया जा सकता । इसीलिए मैं सभी लोगों के प्रति चिर कृतज्ञ हूँ । तुम्हारी परिस्थिति इतनी बुरी देखकर मैं बेहद चिंतित हूँ । लेकिन यह जान लो कि– 'तुमसे भी ज्यादा दुखी लोग इस संसार में हैं । मैं तुमसे भी ज्यादा बुरी परिस्थिति में हूँ । इंग्लैंड में सब कुछ के लिए मुझे अपनी ही जेब से खर्च करना पड़ता है। आमदनी कुछ भी नहीं है । लंदन में एक कमरे का किराया हर सप्ताह के लिए तीन पाउंड होता है। ऊपर से अन्य कई खर्च हैं। अपनी तकलीफों के लिए मैं किससे शिकायत करूँ ? यह मेरा अपना कर्मफल है, मुझे ही भुगतना होगा ।'

(विवेकानंद की आत्मकथा से)

(1) आकृति पूर्ण कीजिए। **2**

(i)

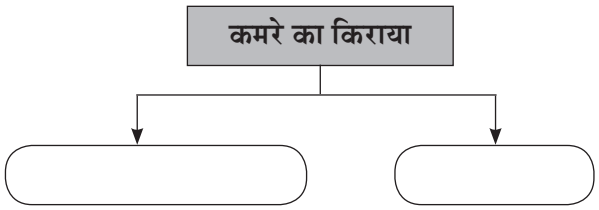

(ii)

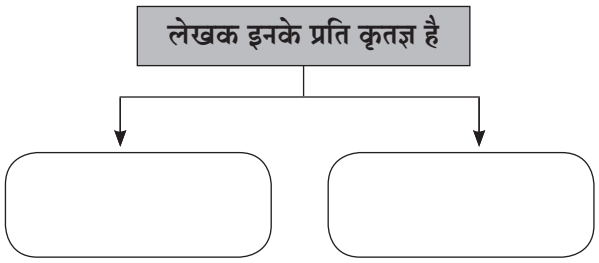

(2) उत्तर लिखिए। **2**

(i) परिच्छेद में उल्लेखित देश : .....

(ii) हर किसी को करना होगा : .....

(iii) लेखक की तकलीफें : .....

(iv) हर किसी को करनी होगी : .....

(3) लिंग पहचानकर लिखिए। **2**

(i) जेब - ..... (iii) साहित्य - .....

(ii) दावा - ..... (iv) सेवा - .....

(4) 'कृतज्ञता' के संबंध में अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 2 - पद्य

18 अंक

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

चौपाई - कृषी निरावहिं चतुर किसाना। जिमि बुध तजहिं मोह-मद-माना।।
देखिअत चक्रबाक खग नाहीं। कलिहिं पाइ जिमि धर्म पराहीं।।
विविध जंतु संकुल महि भ्राजा। प्रजा बाढ़ जिमि पाई सुराजा।।
जहँ-तहँ रहे पथिक थकि नाना। जिमि इंद्रिय गन उपजे ग्याना।।

दोहा - कबहुँ प्रबल बह मारुत, जहँ-तहँ मेघ बिलाहिं।
जिमि कपूत के उपजे कुल सद्धर्म नसाहिं।।
कबहुँ दिवस महँ निबिड़ तम, कबहुँक प्रगट पतंग।
बिनसइ-उपजइ ग्यान जिमि, पाइ कुसंग-सुसंग।।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए। **2**

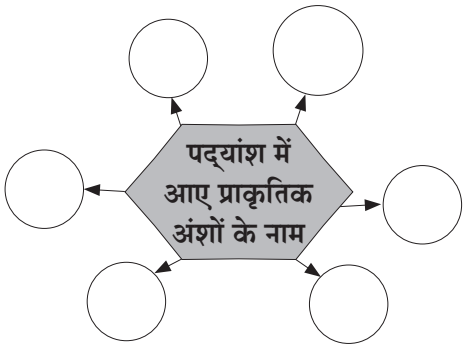

(2) समझकर लिखिए। **2**

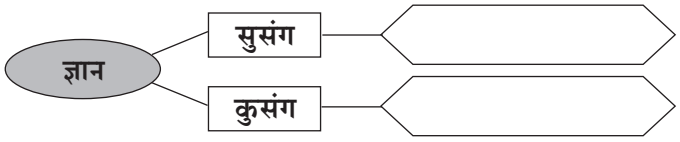

(3) निम्नलिखित पद्यांशों का भावार्थ लिखिए। **2**

विविध जंतु संकुल महि भ्राजा। प्रजा बाढ़ जिमि पाई सुराजा।।
जहँ-तहँ रहे पथिक थकि नाना। जिमि इंद्रिय गन उपजे ग्याना।।

प्र.2. (छ) निम्न मुद्दों के आधार पर निम्न कविता का पद्य विश्लेषण कीजिए: **6**

(i) **अपनी गंध नही बेचूँगा** **अथवा** (ii) **कृषक गान**

(1) रचनाकार का नाम (2) रचना का प्रकार
(3) पसंदीदा पंक्ति (4) पसंदीदा होने का कारण
(5) कविता से प्राप्त संदेश/प्रेरणा

प्र.2. (ज) अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधे मौन ।
अब दादुर वक्ता भए, हमको पूछत कौन ।।

(1) (i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

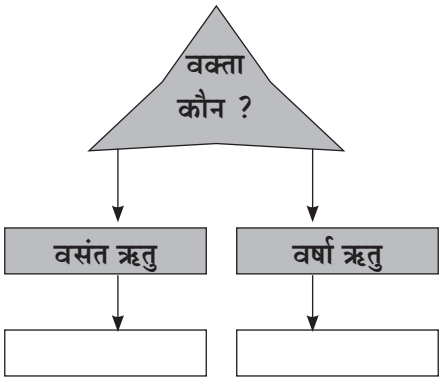

(ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

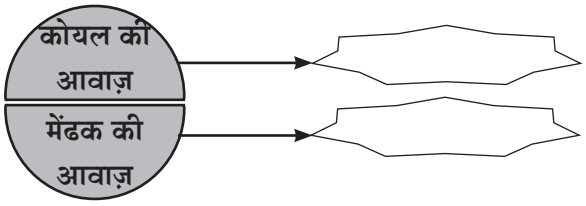

(2) **(i) दोहे में आए प्राणियों के नाम लिखिए।** **1**

(1) ---------- (2) ---------

(ii) समानार्थी शब्द लिखिए। **1**

(1) कोयल (2) मेंढक

(3) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

"पावस देखि रहीम मन, कोइल साधे मौन।
अब दादुर वक्ता भए, हमको पूछत कौन।।"

विभाग 3 - पूरक पठन

8 अंक

प्र.3. (अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(4)**

इस वर्ष बड़ी भीषण गर्मी पड़ रही थी। दिन तो अंगारे से तपे रहते ही थे, रातों में भी गर्म लू और उमस से चैन नहीं मिलता था। सोचा इस लिजलिजे और घुटनभरे मौसम से राहत पाने के लिए कुछ दिन पहाड़ों पर बिता आएँ।

अगले सप्ताह ही पर्वतीय स्थल की यात्रा पर निकल पड़े। दो-तीन दिनों में ही मन में सुकून-सा महसूस होने लगा था। वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, हरे-भरे पहाड़ गर्व से सीना ताने खड़े, दीर्घता सिद्ध करते वृक्ष, पहाड़ों की नीरवता में हल्का-सा शोर कर अपना अस्तित्व सिद्ध करते झरने, मन बदलाव के लिए पर्याप्त थे।

उस दिन शाम के वक्त झील किनारे टहल रहे थे। एक भुट्टेवाला आया और बोला-"साब, भुट्टा लेंगे। गरम-गरम भूनकर मसाला लगाकर दूँगा। सहज ही पूछ लिया- "कितने का है?"

"पाँच रुपये का।"

''क्या? पाँच रुपये में एक भुट्टा। हमारे शहर में तो दो रुपये में एक मिलता है, तुम तीन ले लो।''

"नहीं साब, "पाँच से कम में तो नहीं मिलेगा ..."

"तो रहने दो..." हम आगे बढ़ गए।

एकाएक पैर ठिठक गए और मन में विचार उठा कि हमारे जैसे लोग पहाड़ों पर घूमने का शौक रखते हैं हजारों रुपये खर्च करते हैं, अच्छे होटलों में रुकते हैं जो बड़ी दूकानों में बिना दाम पूछे खर्च करते हैं पर गरीब से दो रुपये के लिए झिक-झिक करते हैं, कितने कंगाल हैं हम! उल्टे कदम लौटा और बीस रुपये में चार भुट्टे खरीदकर चल पड़ा अपनी राह। मन अब सुकून अनुभव कर रहा था।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए। **2**

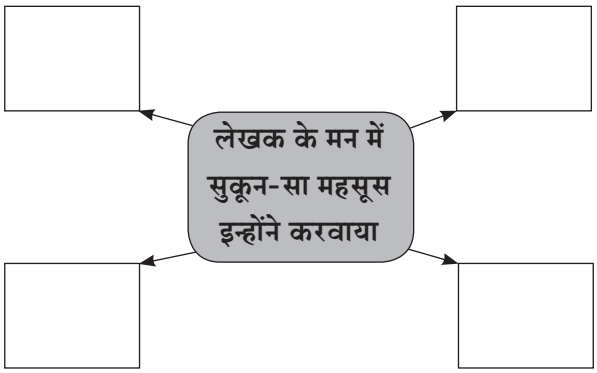

(2) 'कुछ व्यक्तियों की धनसंपन्नता भी स्वभाव से कंगाल ही प्रतीत होती है।' परिच्छेद के आधार पर अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.3. (आ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

यों आप खफा क्यों होती हैं, टंटा काहे का आपस में।
हमसे तुम या तुमसे हम बढ़-चढ़कर क्या रक्खा इसमें।

झगड़े से न कुछ हासिल होगा, रख देंगे बातें उलझा के।
बस बात पते की इतनी है, ध्रुव या रजिया भारत माँ के।

भारत मात के रथ के हैं हम दोनों ही दो-दो पहिये, अजी दो पहिये, हाँ दो पहिये।
हम उस धरती की संतति हैं .....

(1) (i) सही या गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके फिर से लिखिए। **1**

(1) झगड़ने से सब कुछ प्राप्त होता है।

(2) स्त्री व पुरुष भारत माता के रथ के दो पहिए हैं।

(ii) निम्नलिखित अर्थ को स्पष्ट करने वाली पंक्तियाँ लिखिए। **1**

(1) आपको गुस्सा नहीं करना चाहिए।

(2) ध्रुव व रजिया भारत माता के बच्चे हैं।

(2) ''स्त्री व पुरुष समाज के प्रमुख अंग है।'' इस पर आधारित अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 4 - व्याकरण

18 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) (i) निम्नलिखित वाक्य में आए हुए संज्ञा शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए। **1**

युवकों का दल बचाव कार्य में लगा था।

(ii) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम का प्रयोग कीजिए।** **1**

इसके बाद ..... लोग दिन भर पणजी देखते रहे।

(2) (i) **निम्नलिखित वाक्य में से अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** **1**

मुझे लगा कि आज फिर कोई दुर्घटना होगी।

(ii) **निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।।** **1**

बाद

(3) काल परिवर्तन कीजिए। **2**

(i) अली घर से बाहर चला जाता है। (सामान्य भूतकाल)

(ii) आराम हराम हो जाता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(4) तालिका पूर्ण लिखिए । **2**

संधि	संधि-विच्छेद	भेद
सप्ताह	..... + ...	.....
.....	अंत: + चेतना	.....

(5) (i) **अर्थ के आधार पर निम्न वाक्य के भेद पहचानिए।** **1**

उसे देख-देख बड़ा जी करता कि मौका मिलते ही उसे चलाऊँ।

(ii) **सूचना के अनुसार निम्न वाक्य का प्रकार बदलिए** **1**

मानू इतना ही बोल सकी। (प्रश्नार्थक वाक्य)

(6) (i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** **1**

कलेजे में हूक उठना

(ii) **निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

(इज्जत उतारना, हाथ फेरना, काँप उठना, तिलमिला जाना, दुम हिलाना, बोलबाला होना)

करामत अली हौले-से लक्ष्मी से <u>स्नेह करने लगा।</u>

(7) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए। **2**

(i) आचार्य अपनी शिष्यों को मिलना चाहते थे।

(ii) लड़के के तरफ मुखातिब होकर रामस्वरूप ने कोई कहना चाहा।

(8) निम्न वाक्यों में से मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए। **1**

समुद्र और भयावह दिखने लगा।

(9) **निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए।** **1**

अ.क्र	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्‌वितीय प्रेरणार्थक
(i)	माँगना		
(ii)	तोड़ना		

(10) **निम्नलिखित वाक्यों में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुन: लिखिए।** **1**

जल्दी जल्दी पैर बढ़ा

(11) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक चिह्नों से कीजिए और कारक का नाम लिखिए।**

पर्यटन ..... बहुत भी आनंद मिला।

विभाग 5 - रचना विभाग

32 अंक

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है :

(1) **निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।** **5**

गांधी नगर, अमरावती में अशुद्‌ध जल की आपूर्ति होने के कारण वहाँ के निवासी त्रस्त हैं। इस संदर्भ में महेश शर्मा/महिमा शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी, महानगर पालिका, अमरावती को शिकायत पत्र लिखता/ लिखती है।

अथवा

अपने मित्र या सहेली को जिला विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने के उपलक्ष्य में बधाई देते हुए पत्र लिखिए। (पत्र निम्न स्वरूप में हो)

दिनांक: .....

संबोधन :

अभिवादन :

प्रारंभ : .....

विषय विवेचन : .....

समापन : .....

हस्ताक्षर: .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

ई-मेल आई. डी. : .....

(2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हो। 5

श्री. सी. वी. रामन ने छात्रावस्था में ही विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का सिक्का देश में ही नहीं विदेशों में भी जमा लिया था। बात यह थी कि रमन का एक साथी छात्र ध्वनि के संबंध में कुछ प्रयोग कर रहा था। उसे कुछ कठिनाइयाँ प्रतीत हुईं, संदेह हुए। वह अपने अध्यापक जोन्स साहब के पास गया। परंतु वह भी उसका संदेह निवारण न कर सके। रामन को पता चला तो उन्होंने उसे समस्या का अध्ययन-मनन किया और इस संबंध में उस समय के प्रसिद्ध लार्ड रेले के निबंध पढ़े और उस समस्या का एक नया ही हल खोज निकाला। यह हल पहले हल से सरल और अच्छा था। लार्ड रेले को इस बात का पता चला तो उन्होंने रामन की प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अध्यापक जोन्स भी प्रसन्न हुए और उन्होंने रामन से इस प्रयोग के संबंध में लेख लिखने को कहा। रामन ने लेख लिखकर श्री जोन्स को दिया, पर जोन्स उसे जल्दी लौटा न सके। कारण संभवत: यह था कि वह उसे पूरी तरह आत्मसात न कर सके।

प्र.6. (1) वृत्तांत लेखन । (लगभग ६० से ८० शब्दों में) 5
अपने विद्यालय में मनाए गए किसी समारोह का वृत्तांत लेखन कीजिए।

(2) निम्न मुद्दों के आधार पर ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

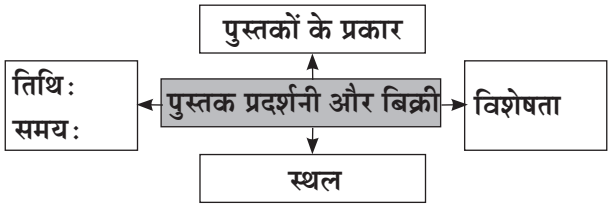

(3) 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई' इस सुवचन पर आधारित ८० से १०० शब्दों में कहानी लेखन कीजिए। 5

(4) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए । 7

(i) मेरा प्रिय वैज्ञानिक

(ii) मैं हिमालय बोल रहा हूँ.....

Best Of Luck